Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to set up an agriculture based industry in Bhupalsagar, Chittorgarh district in Rajashthan.

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी (चित्तौड़गढ़): राजस्थान की शान रही कभी मेवाड़ के कृषि पर आधारित एकमात्र चित्तौड़गढ़ में भूपालसागर स्थित मेवाड़ शुगर मिल, जो कभी वहां के क्षेत्र के हजारों लोगों के लिए रोजगार मुहैया कराती थी, साथ में अपनी शक्कर की मिठास के लिए दूर-दूर तक के क्षेत्र में विख्यात थी, के बंद हो जाने से यहां पर सन्नाटा पसर गया है और हजारों लोगों का रोजगार छिन गया है।

भूपालसागर क्षेत्र जो प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रुप से अपने विकास के लिए इस मिल पर निर्भर था। उसके विकास में अचानक से कमी आ गई है। शुगर मिल तो बंद हो गई लेकिन उस मिल के स्थान पर या विकल्प के रुप में कोई दूसरा उद्योग उस क्षेत्र में नहीं लग पाया है। पानी से भरपूर रहने वाले भूपालसागर में 85 वर्ष पहले सन 1932 में मेवाड़ शुगर मिल की स्थापना हुई थी। लेकिन इस शुगर मिल में गन्ने की कमी को बताकर वर्ष 1999-2000 में इसे बंद कर दिया गया था। आज इस क्षेत्र में कृषि आधारित कोई बड़ा उद्योग नहीं है, जिस कारण किसान बाहुल्य क्षेत्र होने के बावजूद यहां के किसानों को अन्य विकल्पों की खोज में पलायन को मजबूर होना पड़ रहा है। यह क्षेत्र न केवल सड़क बल्कि रेल मार्ग से भी जुड़ा हुआ है तथा यहां पर पानी की भी प्रचुरता है। इन सब अनुकूलताओं के कारण यह क्षेत्र किसी भी उद्योग की स्थापना के लिए सबसे उपयुक्त है।